NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th
Subject : हिंदी
Chapter : 12
Chapter Name : लखनवी अंदाज

Q1 लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं?
Answer.
लेखक जब सहसा सेकंड क्लास के डिब्बे में चढ़ा तब उसने वहां नवाबी नस्ल के सफेद पोश जन को देखा, लेखक के आने से उनकी आंखों में असंतोष के भाव दिखाई दिए।जैसे अपदार्थ वस्तु को खाते देखे जाने पर नवाब साहब को संकोच हो रहा था।उन्होंने लेखक की संगति के लिए तनिक भी उत्साह नहीं दिखाया।

Page :- 80 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q2 नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंतत: सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया।उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है?
Answer.
नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक मिर्च बुरका, अंतत: सूंघकर खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने शायद यह इसलिए किया कि वह खीरे जैसी मामूली चीज खाकर अपनी शान काम नहीं करना चाहते।वह सूंघकर ही पेट भरने की दृष्टि कर रईसी का प्रदर्शन कर रहे थे। इस बात से नवाब साहब के दिखावटी स्वभाव का पता चलता है। वह अपनी खानदानी नफासत और नजाकत स्वभाव का प्रदर्शन कर रहे थे।

Page :- 80 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q3 बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है। यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं?
Answer.
नहीं, बिना विचार, घटना और पात्रों की कहानी नहीं लिखी जाती। यशपाल जी ने ऐसा व्यंग्य में कहा हैं। व्यंग में बात का उल्टा मतलब होता है।

Page :- 80 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q4 आप इस निबंध को और क्या नाम देना चाहेंगे?
Answer.
झूठी शान

Page :- 80 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q5 (क) नवाब साहब द्वारा खीरा खाने की तैयारी करने का एक चित्र प्रस्तुत किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
(ख) किन-किन चीज़ों का रसास्वादन करने के लिए आप किस प्रकार की तैयारी करते हैं?
Answer.
(क) सेकंड क्लास के एकांत डिब्बे में बैठे नवाब साहब ने खीरों को एक-एक कर लोटे के पानी से धोया। फिर उसे तौलिये से अच्छी तरह साफ कर अपनी जेब से चाकू निकालकर दोनों खीरों के सिर काटकर उन्हें अच्छी तरह गोंदकर झाग निकाला। अब खीरों की फांके बना ली और करीने से तोलिये पर सजाया। जीरा, नमक और मिर्च छिड़का और उन फांकों को सूंघकर कर खिड़की से फेंक दिया।
(ख) छात्र स्वयं करें।

Page :- 81 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q6 खीरे के संबंध में नवाब साहब के व्यवहार को उनकी सनक कहा जा सकता है। आपने नवाबों की और भी सनकों और शौक के बारे में पढ़ा-सुना होगा। किसी एक के बारे में लिखिए।
Answer.
खीरे के संबंध में नवाब साहब के व्यवहार को उनकी सनक कहा जा सकता है। ऐसी सनक बहुत से लोगों में देखी जा सकती है जो अपनी खानदानी रईसी को दिखाने की धुन रखते हैं। वे ऐसा ही दिखावा करते दिखाई देते हैं।

Page :- 81 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q7 क्या सनक का कोई सकारात्मक रूप हो सकता है? यदि हाँ तो ऐसी सनकों का उल्लेख कीजिए।
Answer.
हां। सनक भी एक आदत है अगर हमारे मन में देश के लिए मर मिटने की सनक है तो पारिवारिक बंधन उसे नहीं रोक सकते। दान करने की सनक नहीं राजा कर्ण को सर्वस्व त्यागने पर मजबूर कर दिया। सनक के सकारात्मक प्रभाव भी देखे जा सकते हैं।

Page :- 81 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q8 निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियापद छाँटकर क्रिया-भेद भी लिखिए।
(क) एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारेबैठे थे।
(ख) नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया।
(ग) ठाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है।
(घ) अकेले सफ़र का वक्त काटने के लिए ही खीरे खरीदेहोंगे।
(ङ) दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झागनिकाला।
(च) नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक-मिर्च के संयोगसे चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखा।
(छ) नवाब साहब खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थककरलेट गए।
(ज) जेब से चाकू निकाला।
Answer.

(क) बैठे थे – अकर्मक क्रिया
(ख) दिखाया – सकर्मक क्रिया
(ग) आदत है – सकर्मक क्रिया
(घ) खरीदे होंगे – सकर्मक क्रिया
(ङ) निकाला – सकर्मक क्रिया
(च) देखा – सकर्मक क्रिया
(छ) लेट गए – अकर्मक क्रिया
(ज) निकाला – सकर्मक क्रिया

Page :- 81 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

aglasem.com